



लड़कियों का बदलता अंदाज

“मेरे पास एक मेल चडीगढ़ से आया, उसने कहा कि उसने आज तक सेक्स नहीं किया है और उसकी शादी होने वाली है और शादी से पहले वो मुझसे अनुभव लेना चाहती है। ...”

Story By: (archieforntight)

Posted: Monday, December 5th, 2011

Categories: [लेस्बीयन सेक्स स्टोरीज](#)

Online version: [लड़कियों का बदलता अंदाज](#)

लड़कियों का बदलता अंदाज

अन्तर्वासना के पाठकों को आपकी अपनी अर्चना का नमस्कार ! आप लोगों के काफी सारे मेल मिले, मुझे ऐसी कई लड़कियों के मेल आये जो रंडी बनना चाहती थी।

मेरा उन्हें पहला सवाल यही था कि तुम मजे के लिए यह कर रही हो या फिर पैसों के लिए ?

ज्यादातर लड़कियों ने जवाब दिया पैसों के लिए क्योंकि उनके घर वालों की हालत अच्छी नहीं है और वो उन्हें वो जिंदगी नहीं दे सकते जो वो चाहती हैं।

तो मैं पहले यह बता दूँ कि यह मेरा अपना अनुभव है कि घर वाले जितना देते हैं उसमें ही आपकी भलाई है, लेकिन फिर भी अगर आप करना चाहती हो, आपका स्वागत है।

कुछ मेल्स आये जो मजे के लिए करना चाहती थी, मैंने उन्हें तुरंत ज्वाइन कर लिया क्योंकि ऐसी लड़कियों को पैसों की कमी नहीं होती, बस मजे के लिए करना होता है तो यह काम में काफी अच्छी होती हैं।

मेरे पास एक मेल चडीगढ़ से आया, उसने कहा कि वो मुझसे मिलना चाहती है, तो मैंने पहले तो मना कर दिया तो उसने कहा कि उसने आज तक सेक्स नहीं किया है और उसकी शादी होने वाली है और शादी से पहले वो मुझसे अनुभव लेना चाहती है।

बहुत सोचने के बाद मैंने हाँ तो कह दिया मगर मैंने कहा- क्या सबूत है कि तुम लड़की हो ?

तो उसने अपनी कुछ तस्वीरें भेजी। तस्वीरें किसी मॉडल की लग रही थी, मैं यही बात उसे कही और कहा- तुम अपनी कुछ ब्रा-पेंटी, कुछ सिगरेट पीते हुए और एक नंगी पिक्चर

भेजो ।

पहले तो उसने मना किया लेकिन शायद वो मुझसे मिलने को बहुत उत्सुक थी इसलिए उसने अपनी ब्रा-पेंटी और सिगरेट पीते हुए तस्वीर भेज दी और कहा कि नंगी तस्वीर नहीं भेज सकती ।

मैंने कहा- कोई बात नहीं, ये भी ठीक हैं ।

मैंने पूछा- हम कहाँ मिल सकते हैं ?

तो उसने कहा- दो दिनों के लिए दिल्ली आ रही हूँ मैं, और अपनी फ्रेंड जो गुड़गाँव में रहती है, वहीं नौकरी करती है, उसके यहाँ ठहरूँगी । हम लोग वहीं उसके घर पर मिल सकते हैं ।

मैंने हाँ कह दिया ।

मैं भी देखना चाहती थी कि इतनी उत्सुक लड़की को जो मुझसे मिलने के लिए अपनी ऐसी तस्वीरें भेज सकती हैं ।

मैंने यह भी साफ़ कर दिया कि मैं अपना नंबर नहीं दूँगी इस पर उसने कोई ऐतराज नहीं किया । अगले दिन उसका मेल आया

कि वो शुक्रवार को आ रही है । मैंने उसे गुड़गाँव के एम्बियंस मॉल बुला लिया वो भी सही समय पर पहुँच गई । यह कहानी आप अन्तर्वासना.कॉम पर पढ़ रहे हैं ।

मिलते ही उसने मुझे उसने होंठों पर चुम्बन दिया, मैं भी हैरान थी क्योंकि मैंने आज तक किसी लड़की के साथ ऐसा नहीं किया था । उसका ड्रेसिंग सेंस कमाल का था कि वो कहीं से भी भारतीय नहीं लग रही थी, क्योंकि भारतीय लड़की कितनी भी मोडर्न हो जाए, वो कभी माइक्रो मिनी स्कर्ट और स्पेघैटी में घूमने में सहज महसूस नहीं करेगी । उसमें से उसके चूचे साफ़ झलक रहे थे, उसके साथ जो लड़की थी उसने सिंपल टी-शर्ट और जींस पहनी थी ।

मैं तो उसका ड्रेसिंग सेन्स देखकर जलन महसूस कर रही थी, चुम्बन के बाद उसने मुझे अपना परिचय दिया, अपना नाम गुरविन्दर बताया।

इसके बाद उसकी सहेली ने अपना परिचय दिया कि उसका नाम पूनम है, वो भी चडीगढ़ से है और आजकल यहाँ गुडगाँव में नौकरी कर रही है।

इसके बाद हम तीनों काफी देर तक बातें करते रहे, बातों ही बातों में उसने मुझे बताया कि शादी वाली बात उसने मुझसे झूठ बोली थी क्योंकि वो मुझसे मिलना चाहती थी।

मैं उससे मिलकर बिल्कुल भी नाराज नहीं थी, पता नहीं क्यों।

मैंने उससे पूछा- तुम इतनी दूर से मुझसे मिलने क्यों आई हो ?

उसने कहा- मेरे कॉलेज के कई लड़के उस पर मरते हैं मगर मुझे उनमें कोई दिलचस्पी नहीं है क्योंकि मैं एक लेस्बियन हूँ और मैं अपनी सहेली के साथ हर हफ्ते करती हूँ, कभी यह चडीगढ़ आती है और कभी मैं गुडगाँव।

पहली बार मैं असहज महसूस कर रही थी। मैं समझ नहीं पा रही थी कि मैं उन दोनों को क्या जवाब दूँ।

बहुत सोचने के बाद मैंने कहा- मैंने आज तक लेस्बियन सेक्स नहीं किया है !

तो गुरविन्दर बोली- हमारे साथ ट्राई कर लो !

गुरविन्दर मुझे आमंत्रित कर रही थी। मैंने भी सोचा एक बार करने में कोई बुराई नहीं है और वो भी गुरविन्दर जैसी बोल्लड लड़की के साथ। चूँकि गुरविन्दर और पूनम को अनुभव था इसलिए मुझे परेशानी भी नहीं होगी।

मैंने उन्हें हाँ कह दिया।

इस पर गुरविन्दर बोली- मैं यहाँ पर दो दिनों के लिए हूँ तो हम दो दिनों तक पूरा मजा ले सकते हैं।

मैंने भी साहिल को फोन करके बोल दिया कि मेरी एक दोस्त चंडीगढ़ से आई हुई है और गुडगाँव ठहरी है, मैं दो दिनों तक उसके घर रुकूँगी।

साहिल ने बिना कुछ पूछे हाँ कह दिया। इसके बाद हमने एक कैब बुलाई और रूम की तरफ चल दिए।

पूनम का घर काफी शानदार था, चूँकि वो किराए पर रहती थी तो मैंने नहीं सोचा था कि घर शानदार होगा। मैंने उस वक्त सादी सी साड़ी पहनी हुई थी क्योंकि मैंने नहीं सोचा था कि बात यहाँ तक जायेगी। इसलिए पूनम के घर पहुँचते ही मैंने पूनम से कोई दूसरी ड्रेस मांगी तो पूनम ने कहा- कपड़ों की क्या जरूरत है, यहाँ मेरे अलावा और कोई नहीं आता।

मैं अभी भी कुछ असहज महसूस कर रही थी क्योंकि यह मेरे लिए पहली बार था जब मैं किसी लड़की के साथ कुछ करने जा रही थी।

मैंने अपनी झिझक खोलने के लिए अपने कपड़े खोल दिए और ब्रा-पेंटी में आ गई, अपनी साड़ी उतार कर सोफे पर डाल दी।

इसके बाद मैं गुरविंदर की तरफ बढ़ी और जिस तरह से उसने मॉल में मेरे होंठों को चूमा था, मैं भी उसके होंठ चूमने लगी।

चूँकि गुरविंदर बहुत अनुभवी थी इसलिए उसने कब मुझे अपनी बाहों में जकड़ा और वो एक पंजाबी लड़की थी, दिखने में तो पतली थी मगर जब उसने मुझे जकड़ा तो मैं खुद को छुड़ाने में असमर्थ थी।

हम दोनों काफी देर एक-दूसरे को चूमते-चूसते रहे।

कुछ देर में हम दोनों अलग हुए तो गुरविंदर बोली- अगले दो दिनों तक हमें यही अर्चना चाहिए।

इसके बाद दोनों बोली- अब कुछ नाश्ता कर लेते हैं, फिर अगले दो दिनों तक यही करना है।

दोनों ने अपने सारे कपड़े उतारे और नंगी हो गई और मुझसे भी नंगी होने को बोला।

मैंने भी अपनी बची हुई इज्जत यानि कि अपनी ब्रा-पेंटी निकाल दी और हम तीनों रसोई में गए। रसोई में चिकन पका हुआ रखा था, मैंने कहा कि मैं यह सब नहीं खाती तो उन्होंने मेरे लिए कुछ बना दिया।

नाश्ता करने के बाद हम लोग खेल में वापिस उतर गए।

इस बार पूनम मेरी और बढ़ी और बोली- मैं वो चूत चाटना चाहती हूँ जिसने इतने सारे लौड़े खाए हैं।

मैं बेड पर जाकर लेट गई और अपनी चूत पूनम को पेश कर दी। पूनम मेरी तरफ बढ़ी और अपना मुँह मेरी चूत में घुसा दिया।

गुरविंदर इतने तक खाली बैठी थी। मगर कहते हैं कि पंजाबी ना खाली बैठते हैं और ना ही बैठने देते हैं।

गुरविंदर ने अपनी चूत मेरे मुँह की तरफ बढ़ाई और मैं उसकी चूत चाटने लगी। इतने में पूनम मेरी चूत से हट गई और अंदर कमरे में से कुछ डिल्लो (रबर या प्लास्टिक का लंड) उठा लाई।

गुरविंदर अभी तक मेरे मुँह से चिपकी हुई थी इसलिए मेरा पूरा ध्यान गुरविंदर की तरफ था। इतने में पूनम ने एक डिल्लो मेरी चूत में पेल दिया, मुझे ज्यादा फ़र्क नहीं पड़ा क्योंकि शायद डिल्लो ज्यादा मोटा नहीं था और मैं पहले ही इतने मोटे-मोटे लंड खा चुकी हूँ कि मुझे ज्यादा फ़र्क नहीं पड़ता।

इसके बाद गुरविंदर मेरे ऊपर से उठी, मैंने पूनम को पकड़ कर लिटा दिया और अपनी दो उँगलियों को उसकी चूत में घुसाने की कोशिश करने लगी क्योंकि पूनम अभी तक किसी मर्द से नहीं चुदी थी इसलिए उसकी चूत अभी भी कुछ टाईट थी।

मैंने रहम ना करते हुए एक डिल्डो उठाया, उसके ऊपर क्रीम लगाई और एक ही झटके में पूनम की चूत में घुसाने की कोशिश की। ज्यादा टाईट होने की वजह से डिल्डो ज्यादा अंदर गया ही नहीं बल्कि दर्द के मारे पूनम की चीख निकल गई।

फिर भी धीरे-धीरे अंदर घुसाने की कोशिश करने लगी। कुछ देर की कोशिश के बाद डिल्डो अंदर चला गया।

थोड़ी देर तक पूनम ऐसे ही लेटी रही मगर शायद वो दोनों मिलकर मुझे चोदना चाहती थी, गुरविंदर ने मुझे अपनी गिरफ्त में लिया और अपनी उँगलियों से मुझे चोदने लगी जिससे मुझे ज्यादा फ़र्क नहीं पड़ा। मगर कब उसने एक बहुत मोटा डिल्डो उठाया मुझे पता नहीं चला। पूनम ने मेरे दोनों हाथ पकड़ लिए और गुरविंदर मेरे पावों पर लेटी हुई थी, उसने एक ही झटके में वो मोटा सा डिल्डो मेरी चूत में डालना चाहा। चूँकि डिल्डो काफी मोटा था जो मुझसे सहन नहीं हुआ और मैं चिल्लाने लगी और उन दोनों का विरोध करने लगी।

इसके बाद कुछ देर में वो भी सामान्य लगने लगा और इसके बाद बाजी मैंने अपने हाथों में ले ली। मैंने गुरविंदर की पकड़ को ढीला किया और अपनी पकड़ में जकड़ कर उसे लिटा दिया और पूनम से उसे पकड़ने को कहा। पूनम की पकड़ ढीली थी इसलिए मैंने पूनम से रस्सी लाने को कहा।

गुरविंदर ने यह सब शायद विडियो में देखा था मगर उसे अंदाजा नहीं था कि इसमें कितना दर्द होता है। गुरविंदर को बांधने के बाद मैंने सबसे मोटा डिल्डो उठाया तो गुरविंदर

चिल्लाने लगी, बोली- यह मत डालना ! अरी ओ बहन की लौड़ी, वैसे तो बाप समान चाचा से चुद गई, भाई से चुद गई... अब मुझे चोदना चाहती है।

मैंने उसकी एक नहीं सुनी और वो मोटा डिल्डो गुरविंदर की चूत के पार कर दिया। पूरा कमरा आ आआ अह आआह आआआह की आवाजों से गूँज उठा।

इसके बाद भी मैंने गुरविंदर की रस्सी नहीं खोली, मैं गुरविंदर पर मोहित हो चुकी थी क्योंकि वो काफी सुन्दर थी और सेक्सी भी।

मैंने गुरविंदर को टेढ़ा किया और अपनी उंगली उसकी गांड में डाली, उसे समझ आ चुका था कि अब मैं उसकी गांड से खिलवाड़ करने वाली हूँ तो उसने मुझे मना किया लेकिन अब मैं कहाँ सुनने वाली थी। मैंने वही डिल्डो उसकी गांड में भी घुसाने की कोशिश की मगर गांड काफी कसी थी इसलिए गया ही नहीं।

मैंने एक थोड़ा छोटा डिल्डो उठाया, उसकी गांड में क्रीम लगाई और फिर उसकी गांड में छोटा डिल्डो पेला तो वो घुस गया और पूरा कमरा फिर गुरविंदर की दर्द भरी चीखों आवाजों से गूँज उठा।

वो जितना चिल्लाती, मैं उतना ही बड़ा डिल्डो उसकी गांड में घुसाती। उसकी गाण्ड से खून निकलने लगा और बिस्तर खून से लाल हो गया, तब जाकर मैं रुकी।

मगर गुरविंदर चाहती थी मैं उसकी चूत चाटूँ, मैंने उसकी बात मानी और उसकी चूत चाटकर साफ़ कर दी। इसके बाद ऐसे ही मैंने पूनम को भी चोदा।

इसके बाद हम तीनों काफी देर तक ऐसे ही लेटे रहे और इसके बाद एक-दूसरे को बाथरूम में जाकर साफ़ किया और अगले दो दिनों तक एक-दूसरे के शरीर के साथ खेले। कभी गुरविंदर मुझको तो कभी मैं उसको कभी हम दोनों मिलकर पूनम को चोदते।

इस तरह हम तीनों का लेस्बियन चुदाई का कार्यक्रम चलता रहा ।

दूसरे दिन शाम को मैंने उनसे विदा मांगी और दुबारा मिलने का कहा ।

लेकिन सच में मेरा पहला लेस्बियन सेक्स मुझे हमेशा याद रहेगा और मेरे साथ किया हुआ

मजा उन दोनों भी हमेशा याद रहेगा क्योंकि हमेशा गुरविंदर पूनम को चोदती थी मगर

पहली बार गुरविंदर इस तरह से किसी से चुदी थी ।

आपको मेरा यह अनुभव कैसा लगा, जरूर बताइयेगा !

इसके बाद भी मेरी जिंदगी शांत नहीं हुई और क्या-क्या हुआ जरूर

बताऊंगी larchieforntight@gmail.com

Other stories you may be interested in

नयी पड़ोसन और उसकी कमसिन बेटियां-2

कमसिन कॉलेज गर्ल के साथ मेरी सेक्स कहानी में अभी तक आपने पढ़ा कि डॉली को चोदने के बाद हम दोनों नंगे ही लिपटकर सो गये. अब आगे : रात को तीन बजे पेशाब लगी तो मेरी नींद खुल गई. पेशाब [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी लेस्बियन पड़ोसन संग सेक्स का नंगा खेल

यह घटना अभी 15 दिन पहले मेरे साथ घटी एक सच्ची घटना है. मैं मंजू, उम्र 37 साल, कलर हल्का सांवला, शादीशुदा औरत हूँ. भगवान ने जाने क्यों मेरे बदन में सेक्स की प्यास औसत से कुछ ज्यादा ही दे [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी बीवी की उलटन पलटन-2

मैं अपनी पत्नी अंशु की चूत चाट रहा था और उसके यार से गांड मरवा रहा था. फिर अंशु की चूत गीली हो गयी और उपिंदर के लौड़े ने पानी छोड़ दिया. सुबह सुबह मज्जा आ गया। दिन भर काम [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोस की चालू लड़की के साथ पहला संभोग

दोस्तो ! लड़कियों, भाभियों और आंटियों को मेरे लंड का प्रणाम और भाईयों को हाथ जोड़ कर नमस्कार. अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली कहानी है. आशा करता हूँ कि मेरी यह कहानी सुनकर सभी मर्द अपना लंड हिलाने लगेंगे और लड़कियां [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी सहेली की चुदाई की तलब-1

मेरे प्यारे दोस्तो, मैं सुहानी चौधरी आप सब अन्तर्वासना के पाठकों का एक बार फिर से स्वागत करती हूँ अपनी अगली कहानी में। मुझे यह जान कर बहुत खुशी हुई कि आप लोगों को मेरी कहानियाँ इतनी पसंद आ रही [...]

[Full Story >>>](#)

